भारत सरकार
रेल मंत्रालय

लोक सभा
31.07.2024 के
तारांकित प्रश्न सं. 121 का उत्तर

बुलेट ट्रेन और वंदे भारत ट्रेन

***121. श्री धवल लक्ष्मणभाई पटेल:**
श्री मनोज तिवारी:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) बुलेट ट्रेन के निर्माण की वर्तमान स्थिति क्या है;

(ख) सरकार का भारत में बुलेट ट्रेन कब तक चलाने का विचार है और इसके कवरेज नेटवर्क का ब्यौरा क्या है;

(ग) चल रही और विनिर्माणाधीन वंदे भारत रेलगाड़ियों की संख्या का मार्ग-वार और राज्य-वार ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या सरकार की पाली/जोधपुर से जयपुर तक नई वंदे भारत रेलगाड़ी शुरू करने की योजना है; और

(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (ङ): विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

****

बुलेट ट्रेन और वंदे भारत ट्रेनों के संबंध में दिनांक 31.07.2024 को लोक सभा में श्री धवल लक्ष्मणभाई पटेल और श्री मनोज तिवारी के तारांकित प्रश्न सं. 121 के भाग (क) से (ङ) के उत्तर से संबंधित विवरण।

(क) और (ख): वर्तमान में मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल (एमएएचएसआर) परियोजना का निर्माण कार्य चल रहा है। एमएएचएसआर परियोजना गुजरात, महाराष्ट्र राज्यों तथा दादरा और नगर हवेली केंद्र शासित प्रदेश से गुजरती है।

इस परियोजना की लंबाई 508 किलोमीटर है, जिसमें मुंबई, ठाणे, विरार, बोईसर, वापी, बिलीमोरा, सूरत, भरूच, वड़ोदरा, आनंद, अहमदाबाद और साबरमती में 12 स्टेशनों के निर्माण की योजना बनाई गई है।

इस परियोजना के लिए संपूर्ण भूमि (1389.5 हेक्टेयर) अधिगृहीत कर ली गई है। अब तक, 350 किलोमीटर पियर फाउंडेशन, 316 किलोमीटर पियर निर्माण, 221 किलोमीटर गर्डर कास्टिंग और 190 किलोमीटर गर्डर लॉन्चिंग का कार्य पूरा कर लिया गया है। समुद्र के अन्दर सुरंग कार्य (लगभग 21 किमी) भी शुरू कर दिया गया है।

बुलेट ट्रेन परियोजना अत्यधिक जटिल और प्रौद्योगिकी प्रधान है। संरक्षा के उच्चतम स्तर और संबंधित अनुरक्षण नयाचारों को ध्यान में रखते हुए, बुलेट ट्रेन परियोजना को जापान रेलवे के सहयोग से डिजाइन किया गया है। इसे भारत की आवश्यकताओं और जलवायु परिस्थितियों के अनुकूल तैयार किया गया है। परियोजना के पूरा होने की समय-सीमा का निर्धारण सिविल संरचनाओं, रेलपथ, बिजली, सिगनल एवं दूरसंचार तथा ट्रेनसेटों की आपूर्ति से संबंधित सभी कार्यों के पूरा होने होने के बाद ही उचित रूप से किया जा सकता है।

एमएएचएसआर परियोजना के निष्पादन की नियमित रूप से निगरानी/समीक्षा की जाती है।

(ग) से (ङ): चूंकि रेल नेटवर्क राज्यों की सीमाओं के आर-पार फैला हुआ है, इसलिए नेटवर्क की आवश्यकता के अनुसार इन सीमाओं के आर-पार रेलगाड़ी सेवाएं शुरू की जाती हैं। वर्तमान में, भारतीय रेल नेटवर्क पर 102 वंदे भारत रेलगाड़ी सेवाएं परिचालन में हैं। ये निम्नलिखित खण्डों पर परिचालन में हैं: वाराणसी-नई दिल्ली,

नई दिल्ली-श्री माता वैष्णो देवी कटरा, मुंबई सेंट्रल-गांधीनगर कैपिटल, नई दिल्ली-अम्ब अंदौरा, एमजीआर चेन्नै सेंट्रल-मैसूरू, बिलासपुर-नागपुर, हावड़ा-न्यू जलपाईगुड़ी, विशाखापत्तनम-सिकंदराबाद, छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस-साईनगर शिर्डी, छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस-सोलापुर, रानी कमलापति-हज़रत निजामुद्दीन, एमजीआर चेन्नै सेंट्रल-कोयंबटूर, सिकंदराबाद-तिरुपति, अजमेर-चंडीगढ़, मंगलोर सेंट्रल-तिरुवनंतपुरम सेंट्रल, हावड़ा-पुरी, आनंद विहार (टी)-देहरादून, न्यू जलपाईगुड़ी-गुवाहाटी, रानी कमलापति-रीवा, के.एस.आर. बेंगलुरु-धारवाड़, इंदौर-नागपुर, पटना-रांची, छत्रपति शिवाजी महाराज (टी)-मडगांव, जोधपुर-साबरमती, गोरखपुर-प्रयागराज, कासरगोड-तिरुवनंतपुरम सेंट्रल, अहमदाबाद-ओखा, चेन्नै एग्मोर-तिरुनेलवेली, एमजीआर चेन्नै सेंट्रल-विजयवाड़ा, काचेगुडा-यशवंतपुर, उदयपुर सिटी-जयपुर, हावड़ा-पटना, राउरकेला-पुरी, हावड़ा-रांची, बेंगलुरु कैंट-कोयंबटूर, मंगलौर-मडगांव, जालना-सी.एस.एम.टी. मुंबई, बनारस-नई दिल्ली, आनंद विहार (टी)-अयोध्या कैंट, श्री माता वैष्णो देवी कटरा-नई दिल्ली, अमृतसर-दिल्ली, मैसूर-चेन्नै सेंट्रल, सिकंदराबाद-विशाखापत्तनम, भुवनेश्वर-विशाखापत्तनम, रांची-बनारस, कलबुर्गी-एस.एम.वी. बेंगलुरु, न्यू जलपाईगुड़ी-पटना, पटना-गोमतीनगर, खजुराहो-हज़रत निजामुद्दीन, लखनऊ जंक्शन-देहरादून, मुंबई सेंट्रल-अहमदाबाद। वर्तमान में, रेलगाड़ी सं. 12461/12462 जोधपुर-साबरमती वंदे भारत एक्सप्रेस पाली मारवाड़ और जोधपुर दोनों स्टेशनों पर यात्रियों को सेवाएं प्रदान कर रही है। इसके अलावा, जोधपुर 19 जोड़ी रेलगाड़ियों द्वारा जयपुर से जुड़ा हुआ है जबकि 1 जोड़ी रेलगाड़ी पाली मारवाड़ को जयपुर से जोड़ती है। इसके अलावा, वंदे भारत सेवाओं सहित नई रेलगाड़ी सेवाएं शुरू करना भारतीय रेल पर एक सतत् प्रक्रिया है, जो यातायात के औचित्य, परिचालनिक व्यवहार्यता, संसाधनों की बाध्यताओं आदि पर निर्भर करता है।

*****